यूपी में भी कूड़े से बनेगी बिजली व खाद

लखनऊ। राज्य सरकार ने कूड़े के निस्तारण व उसके स्थायी प्रबंधन के लिए कवायद शुरू कर दी है। यूपी में अब दिल्ली के नरेला, चेन्नई व गोवा की तर्ज पर कूड़े से बिजली व खाद बनाया जाएगा। हाल ही विशेषज्ञों की टीम इन राज्यों से कूड़ा प्रबंधन का अध्ययन करके लौटी है। वहां रोजाना निकलने वाले कूड़े से हजारों टन जैविक खाद बनाई जाती है। इसके अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भी होता है। इसके लिए तीन जगहों पर नगर निकायों ने पीपीपी मोड में हाईटेक प्लांट लगाए हैं। विशेषज्ञ टीम की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने कूड़े से बिजली व खाद बनाने के लिए हाईटेक प्लांट लगाने का फैसला किया है।

विशेषज्ञों की टीम ने इन तीनों राज्यों के अधिकारियों को कूड़ा प्रबंधन के संबंध में टिप्स भी लिखे थे। विशेषज्ञों ने इसके आधार पर रिपोर्ट भी तैयार कर ली है। इसके मुताबिक प्रदेश के नगर निगम वाले शहरों के अलावा कुछ बड़े शहरों में कूड़े से बिजली और जैविक खाद बनाने के लिए प्लांट लगाने पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर व गाजियाबाद में इसे शुरू किया जा सकता है। हालांकि खाद की मार्केटिंग को लेकर मामला उलझा हुआ है। इस संबंध में खाद बनाने वाली निजी क्षेत्र की कुछ कंपनियों से विचार-विमर्श किया जा रहा है। संभव है जल्द ही इस पर कुछ ठोस फैसला हो जाएगा। ब्यूरो

चेन्नई, दिल्ली व गोवा से लौटी अध्ययन टीम, रिपोर्ट के मुताबिक तैयार होगी कार्ययोजना

शहरों से निकलने वाले कूड़े के निस्तारण की स्थायी व्यवस्था बनाने की कवायद शुरू

शहर से बाहर की जाएंगी डेयरियां

कूड़ा प्रबंधन के साथ ही शहरों को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से कई मानक तय किए गए हैं। इसमें सबसे प्रमुख है, शहरों में डेयरी के संचालन को रोकना। रिहायसी क्षेत्रों में डेयरियों का संचालन को रोकने के लिए जल्द ही कदम उठाने का फैसला किया गया है। सरकार का मानना है कि शहरी आबादी के बीच डेयरी संचालन भू-उपयोग का उल्लंघन है और इससे गंदगी भी फैलती है। लिहाजा डेयरी को शहर से बाहर किया जाएगा। जल्द ही डेयरियों को चिह्नित करने का काम शुरू होगा।